Seventeenth Loksabha

>

Title: Mr. Speaker made observation regarding maintaining proper decorum and dignity of the House and availability of copies of list of Demands for Supplementary Grants and Demands for Excess Grants.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, एक मिनट रुकिए।

मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि आपने इन असाधारण परिस्थितियों में, जब सारा देश संक्रमण के संकट से जूझ रहा है, इस परिस्थिति में भी आप सभी माननीय सदस्यों ने अपने कर्त्तव्यों-संवैधानिक दायित्वों को निभाया और पिछले चार दिनों में जिस तरीके से सदन चला, सदन की कार्यवाही चली, पूरे देश ने देखा कि किस तरीके से हम कोरोना वायरस के संक्रमण के समय में भी, अपने सारे प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, आप सभी ने एक संदेश देश में दिया है, क्योंकि हम एक व्यक्ति नहीं हैं, एक संस्था हैं। हम 15 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और हमारा संदेश पूरे देश में जाता है।

इसलिए मेरा व्यक्तिश: आग्रह है कि इस सदन की बहुत मर्यादा रही है। मेरे पूर्ववर्ती अध्यक्षों ने इस सदन की गरिमा को बढ़ाने का काम किया है। आप सभी माननीय सदस्यों ने भी समय-समय पर, इस सदन की गरिमा बनी रहे, इसलिए आसन पीठ को सहयोग करते रहते हैं। मैं यह अपेक्षा करता हूं और सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि हम अपने तथ्यों को रखें, चर्चा करें, वाद-विवाद करें, संवाद करें, पक्ष-विपक्ष की बात करें, लेकिन बिना तथ्यों के आरोप-प्रत्यारोप लगाने से हमें इस परिस्थिति में बचना चाहिए। इस सदन में बहुत अच्छी-अच्छी परम्पराएं रही हैं, उन परम्पराओं को हम जीवंत रखें। मेरा व्यक्तिश: आग्रह है कि इस सत्र के लिए जो समय बचा है, उसमें हम सब अपने दायित्वों-कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए, सुरक्षित तरीके से इस कार्यवाही को चलाएं।

मैं चाहूंगा कि इस सत्र के इस समय में किसी को भी, किसी भी बात की पीड़ा पहुंची हो और मैंने आसन से किसी को कुछ कहा हो, तो मेरे कहने का ऐसा तात्पर्य कतई नहीं है। मेरे लिए सभी सदस्य बराबर हैं और हर सदस्य का संरक्षण करना मेरा दायित्व है। यदि मैं कोई बात भी कहता हूं तो सदन को संचालित करने के लिए कहता हूं। अगर किसी को पीड़ा पहुंची हो, तो मैं व्यक्तिगत रूप से माफी चाहता हूं, क्योंकि मैं किसी को पीड़ा नहीं पहुंचाना चाहता हूं।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): अध्यक्ष जी, ऐसी कोई बात नहीं है।

श्री गौरव गोगोई (कलियाबोर): अध्यक्ष जी, ऐसा कोई विषय नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : यह सदन हमेशा बड़ी उच्च मर्यादाओं से चला है। हम चाहते हैं कि इस कार्यकाल का सत्र जब चले, तो देश तथा दुनिया देखे कि भारत के लोकतंत्र में सभी माननीय सदस्यों ने विपरीत परिस्थितियों में सदन को चलाया और देश के राष्ट्रीय हित में मुद्दों पर चर्चा की तथा देश की जनता को संकट से बचाने के समय सभी साथ रहे। मैं माननीय अनुराग ठाकुर जी से आग्रह करूंगा कि यदि माननीय सदस्यों को पीड़ा पहुंची है, तो वे अपनी बात सदन में रखें।

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अनुराग सिंह ठाकुर): अध्यक्ष जी, टैक्सेशन एंड अदर लॉज के इंट्रोडक्शन के समय मेरे द्वारा तथ्य रखते समय किसी को ठेस पहुंचाना मेरा उद्देश्य नहीं था। यदि किसी को ठेस पहुंची है, तो मुझे भी इस बात की पीड़ा है।

रक्षा मंत्री (श्री राज नाथ सिंह): अध्यक्ष जी, इसमें दो मत नहीं हैं कि जब से आपने अध्यक्ष पद का दायित्व संभाला है, आपने बहुत ही कुशलतापूर्वक सदन की कार्यवाही को चलाया है। मैंने महसूस किया है कि आपने सभी सम्मानित सदस्य, चाहे वे किसी भी दल या किसी भी पक्ष के क्यों न हों, सभी का विश्वास हासिल करने की कोशिश की है और सभी का विश्वास हासिल करके ही सदन की कार्यवाही चलाने का प्रयत्न किया है। मैं कहना चाहता हूं कि केवल आपके सामने ही हमारी औपचारिक प्रशंसा

नहीं है, बल्कि मैं जो कुछ भी कह रहा हूं वह तहे दिल से कह रहा हूं। आज जिस प्रकार का अवरोध पैदा हुआ, जिस प्रकार का स्टेलमेट हुआ और जिस प्रकार से आपने सूझबूझ से काम लिया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, वह कम है। इस घटना के बाद जब हाउस स्थगित हुआ, तब मैं आपके चैम्बर में गया था और मैं महसूस कर रहा था कि आप किस हद तक आहत हैं। सचमुच मुझे भी उस समय बहुत पीड़ा हुई। मैंने कहा कि आपने बहुत कुशलतापूर्वक सदन का संचालन किया है और आप आश्वस्त रहें, कोई न कोई हल जरूर निकलेगा। जहां तक अनुराग ठाकुर जी का प्रश्न है, वे तेज तर्रार और युवा नेता हैं। वे चार बार संसद सदस्य रह चुके हैं और अच्छे वक्ता भी हैं। यदि उनके द्वारा कोई बात निकली है, तो उन्होंने स्वयं मुझसे भी कहा है कि संसद के किसी भी सदस्य को यदि हमारी बातों के कारण कोई पीड़ा पहुंचती है, तो स्वाभाविक है कि मुझे भी उसकी पीड़ा हो रही है और उन्होंने आज यह भावना सदन के समक्ष प्रस्तुत की है। मैं समझता हूं कि उन्होंने जो भी भावना व्यक्त की है, उससे सभी सहमत होंगे और आगे सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलेगी।

श्री अधीर रंजन चौधरी: अध्यक्ष जी, आप जब पीठ में बैठकर यह कहते हैं कि आपकी यदि कोई गलती है और हम सभी के सामने सिर झुकाते हैं, तो यह हमारे लिए बहुत पीड़ादायक है और इस तरह की बात यदि आप न करें, तो हम खुश रहेंगे। आप हम सभी के लिए बहुत सम्माननीय व्यक्ति हैं।

जब हम लोग कोरोना के कारण अपने-अपने गांव चले गए, अपने-अपने घर चले गए, तब भी आप ने अपना घर-बार छोड़ कर इस सदन को चलाने के लिए दिल्ली में दिन-रात मेहनत की है। इससे बड़ा और क्या फर्ज माननीय स्पीकर साहब निभा सकते हैं, मुझे मालूम नहीं है। हम सभी को यह सोचना चाहिए कि हम इस विषम परिस्थिति में सदन में तब आए हैं, जब कोरोना का संक्रमण प्रतिदिन लगभग एक लाख से ज्यादा हो चुका है। हम सभी को सावधानी बरतना जरूरी है। इस विषम परिस्थिति में सिर्फ एक नुमाइंदा होने के नाते, हम अपना कर्तव्य निभाने के लिए अपना फर्ज निभाने के लिए, सारे देश के सामने जनता की बात करने के लिए इस सदन में पहुंचे हैं। सरकार का काम है - सरकार चलाना। हमारा काम है, सरकार के काम में मदद करना और इसके साथ-साथ हमारे अंदर जो कुछ सवाल है, जो कुछ चर्चा करना चाहते हैं, उनकी ओर सरकार की निगाहें आकृष्ट कराना चाहते हैं कि ये सारे मुद्दे सदन में रखें, आपके सामने रखें। यही हमारा फर्ज होता है, यह फर्ज निभाने के लिए हम सभी यहां आए हैं। सर, यह सदन हम सभी के लिए है। यह कोई पक्ष या विपक्ष के लिए नहीं है। सदन सभी पक्षों के लिए बराबर होता है। इंसान के सामने सराहना नहीं करनी चाहिए। अगर हम आपके सामने आपकी सराहना करें तो आपको लगेगा कि ये क्या बोलते हैं, नहीं बोलते हैं। कभी-कभी यह भी सोच सकते हैं कि

हम लोग किसी की चापलूसी करते हैं, लेकिन यह बात नहीं है। हम जो भी कहते हैं, वह तहेदिल से कहते हैं। सदन के पक्ष-विपक्ष, हमारे पक्ष के जितने माननीय सदस्य हैं, सभी आपसे खुश हैं। सरकार पक्ष के माननीय सदस्य हों या विपक्ष के माननीय सदस्य हों, उनको आपसे कोई शिकायत नहीं है, बिल्कुल भी शिकायत नहीं है।

सर, जब आप सदन के चेयर पर बैठे रहते हैं, हम सभी महसूस करते हैं कि आप मेरे आदमी है और सरकार पक्ष महसूस करता है कि आप सरकार के आदमी हैं। हम सभी आपको अपना गार्जियन समझते हैं। अगर हमें किसी चीज की जरूरत होती है, कोई तकलीफ होगी, तो एक गार्जियन की हैसियत से आप हमारी रक्षा करेंगे। इसलिए हम कोई भी बात के लिए हर वक्त आपके सामने गुहार लगाते हैं, क्योंकि हमें यह भरोसा है कि अगर आपके सामने सही ढंग से गुहार लगाई जाए, तो सारी समस्याओं को सुलझाना आसान होगा। इसलिए अगर हम में से कोई आहत होते हैं, हमारे बीच कोई माननीय सदस्य दु:खी होते हैं, तो आप ही के पास जाते हैं। आपके पास जाकर गुहार लगाते हैं और आप एक गार्जियन की हैसियत से सारे पक्ष को समझाते हुए, सारी चीजों को बहुत आसानी से सुलझाते हैं। सर, आपको यह सहयोग लेना ही पड़ेगा। हम सभी मिल कर यह सदन चलाएंगे। यह सदन हम सभी का है। सदन की गरिमा की रक्षा करना, सदन की गरिमा को बराबर बनाए रखना, यह हम सभी की जिम्मेवारी है, चाहे वह सरकार पक्ष हो या विपक्ष हो। सर, नमस्कार।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण**,** अनुदानों की अनुपूरक मांगे 14 सितम्बर को प्रस्तुत की गईं थीं**,** तत्पश्चात् इनकी प्रतियां प्रकाशन फलक पर सदस्यों को वितरण के लिए उपलब्ध करा दी गईं थीं। प्रकाशन फलक पर उपलब्धता की सूचना भी नोटिस बोर्ड पर सदस्यों की जानकारी के लिए लगाई गई थी ।

अत**:** 14 सितम्बर से 17 सितम्बर तक कटौती प्रस्ताव की सूचना दे सकते थे। माननीय सौगत राय जी ने कटौती प्रस्ताव की सूचना भी दी है**,** जो सदस्यों को परिचालित किए गए हैं और यह चर्चा के पूर्व प्रस्तुत किए जा सकते हैं। अब दिए गए कटौती प्रस्ताव समय बाधित होने के कारण स्वीकार्य नहीं होंगे**,** क्योंकि इन्हें जांचने और परिचालन करने का समय नहीं मिलेगा।